

Padma Shri



SMT. MRIDULA SINHA (POSTHUMOUS)

Smt. Mridula Sinha was the doyenne of Hindi literature and first woman Governor of Goa. She was a prominent figure in Social, Political and Literary World.

2. Born on 27th November, 1942, Smt. Sinha completed her primary education from Baalika Vidyapeeth, Lakheesarai (Bihar). She completed a Masters' in Psychology and Graduation in Education from Bihar University. She then took a job as a lecturer in the Dr. S.K. Sinha Women's College in Motihari. After some time, she established a school named Bhartiya Shishu Mandir under the guidance of Shri Nanaji Deshmukh.

3. Smt. Sinha developed a keen interest in literary escapade and creative writing during her student life. Short stories, stories, novels, biographies, articles, all found shape through her pen. Folk Life, folk culture, songs and stories got a new lease of life with Smt. Sinha's writings. She has written about valiant mythological female characters like Sita, Mandodari, Ahalya and Tara in autobiographical form. The same have been translated into numerous Indian languages and English. A strong advocate for gender equality, she gave voice to such issues through two heroines of her acclaimed novels 'Gharvaas' and 'Jyon Mehendi ko Rang'. She published more than 64 books. For her writings, she was adorned with many literary awards and accolades. Bihar Vishvavidyalaya awarded her with an Honorary D.Lit. in 2015.

4. In 1977 Smt. Sinha was made the Convenor of Parliamentary Constituency. In 1980, after the formation of Bhartiya Janata Party (BJP) she became a woman convenor in the Election Campaign. Her continuous and multifaceted role helped her in creating a mark for herself in the public and political life. She became the co-convenor to the Mahila Morcha in 1980 under the leadership of Rajmata Vijayaraje Scindhia. Later she worked as National President of the Mahila Morcha for three terms and National Vice President too. In 2014, she became the first woman Governor of Goa and went on to hold the post for a full term. She was also made the ambassador of Swachhata Abhiyaan by Hon'ble PM Narendra Modi. Relentlessly giving back to society, she continued work in the field of education, cleanliness and development among others throughout her life.

5. Smt. Sinha passed away on 18th November, 2020.



श्रीमती मृदुला सिन्हा (मरणोपरांत)

श्रीमती मृदुला सिन्हा हिंदी साहित्य की मूर्धन्य लेखिका और गोवा की पहली महिला राज्यपाल थीं। वह सामाजिक, राजनीतिक और साहित्यिक दुनिया की एक प्रमुख हस्ती थीं।

2. 27 नवंबर 1942 को जन्मी श्रीमती सिन्हा ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बालिका विद्यापीठ, लखीसराय (बिहार) से पूरी की। उन्होंने बिहार विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में परास्नातक और शिक्षा में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह मोतिहारी के डॉ. एस.के. सिन्हा महिला महाविद्यालय में लेक्चरर के पद पर नौकरी करने लगीं। कुछ समय बाद उन्होंने श्री नानाजी देशमुख के मार्गदर्शन में भारतीय शिशु मंदिर नाम से एक विद्यालय की स्थापना की।

3. श्रीमती सिन्हा के मन में छात्र जीवन के दौरान साहित्यिक गतिविधियों और रचनात्मक लेखन के प्रति गहरी रुचि पैदा हो गई थी। उन्होंने लघु कथाएं, कहानियां, उपन्यास, जीवनी, आलेख आदि लिखे। लोक जीवन, लोक संस्कृति, गीत और कहानियां श्रीमती सिन्हा की लेखनी से जीवंत हो गईं। उन्होंने सीता, मंदोदरी, अहिल्या और तारा जैसी वीर पौराणिक महिला पात्रों पर आत्मकथात्मक शैली में कृतियों की रचना की है। इनका अनेक भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है। वह लैंगिक समानता की प्रबल पैरोकार रहीं और उन्होंने अपने प्रख्यात उपन्यास 'घरवास' और 'ज्यों मेहंदी को रंग' की दो नायिकाओं के माध्यम से इस प्रकार के मुद्दों को अपना स्वर प्रदान किया। उनकी चौंसठ से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुईं। अपनी रचनाओं के लिए उन्हें अनेक साहित्यिक पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए। बिहार विश्वविद्यालय ने उन्हें 2015 में डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया।

4. 1977 में श्रीमती सिन्हा को संसदीय क्षेत्र का संयोजक बनाया गया। 1980 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठन के बाद वह चुनाव प्रचार में महिला संयोजक बनीं। उनकी अनवरत और बहुआयामी भूमिका ने उन्हें सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में अपनी एक अलग जगह बनाने में मदद की। वह 1980 में करिश्माई राजमाता विजयाराजे सिंधिया के नेतृत्व में महिला मोर्चा की सह-संयोजक बनीं। बाद में उन्होंने तीन कार्यकाल के लिए महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला और वह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर भी रही। 2014 में वह गोवा की पहली महिला राज्यपाल बनीं और पूरे कार्यकाल के लिए इस पद पर रही। उन्हें माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान का दूत भी बनाया था। समाज के प्रति अपने अथक योगदान स्वरूप, वह जीवनपर्यंत शिक्षा, स्वच्छता और विकास आदि कार्य में जुटी रही।

5. श्रीमती सिन्हा का 18 नवंबर, 2020 को देहावसान हो गया।